RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई, शनिवार 04 अक्टूबर 2025 वर्ष 07 अंक 168 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई : म्हाडा की तर्ज पर मनपा भी अब निकालेगी घरों की लॉटरी...

Page - 3

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना में करोड़ों का घोटाला !

याचिका पर HC ने सरकार को भेजा नोटिस...

महाराष्ट्र : प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के नाम पर करोड़ों रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी की सघन जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अनिकेत कुत्तरमारे ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की।

याचिका पर बुधवार को सुनवाई के बाद न्यायाधीश अनिल किल्लोर और न्यायाधीश रजनीश व्यास ने सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दायर करने के आदेश दिए। याचिका में केंद्र सरकार, महाराष्ट्र सरकार के विभिन्न विभागों और कई वरिष्ठ अधिकारियों सहित कुल 12 से अधिक प्रतिवादियों को पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता की अधिवक्ता समीर सोनवने ने पैरवी की।

अधिकारी और निजी कंपनियों ने किया गबन

याचिका के अनुसार वर्ष 2021-22 में नागपुर जिले के 100 पात्र स्वयं सहायता समूहों (महिला और पुरुष बचत गट) को कृषि उपकरण प्रदान करने के लिए 8 करोड़ 71 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई थी। यह राशि प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के तहत दी जानी थी जिसका उद्देश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों और समुदायों का कल्याण करना है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सरकारी अधिकारियों, निजी व्यक्तियों और निजी फर्मों ने मिलकर इस सरकारी फंड में एक बड़ी धोखाधड़ी को अंजाम दिया और करोड़ों रुपये का गबन किया। याचिका में विशेष रूप से तत्कालीन सहायक आयुक्त, समाज कल्याण विभाग, नागपुर की संलिप्तता का आरोप लगाया गया है जिन्हें इस मामले में शामिल होने के कारण अब निलंबित कर दिया गया है।

फ्लैट खरीद सौदे में रिटायर्ड पुलिस अफसर से ठगी !

मुंबई : मुंबई पुलिस के रिटायर्ड अधिकारी विजय देशमुख से चार लोगों ने फ्लैट बेचने के नाम पर ₹9.5 लाख की धोखाधड़ी की। देशमुख ने रिटायरमेंट के बाद फ्लैट खरीदने का निर्णय लिया और प्रवीण रोगे नामक व्यक्ति से संपर्क किया, जिसने खुद को रेलवे कर्मचारी और प्रॉपर्टी डीलर बताया। उसने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर एक फ्लैट का सौदा ₹43 लाख में तय किया। देशमुख ने ₹17.5 लाख अग्रिम दिए, लेकिन असली दस्तावेज नहीं मिले। बाद में पता चला कि फ्लैट किसी और का है। ₹8 लाख वापस मिलने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच जारी है।

मुंबई: प्रिंसिपल के जाली हस्ताक्षर करके एक लाख रुपये की हेराफेरी करने का मामला दर्ज

मुंबई: कुरार पुलिस ने एक शिक्षक और उसके एक अज्ञात साथी के खिलाफ एलपी जगदाले गुरुजी स्कूल के फंड से कथित तौर पर एक चेक पर प्रिंसिपल के जाली हस्ताक्षर करके एक लाख रुपये की हेराफेरी करने का मामला दर्ज किया है। अनियमितताओं का पता चला एफआईआर के अनुसार, मलाड पूर्व के कुरार गाँव में सेवा आश्रम शिक्षण संस्था द्वारा

संचालित स्कूल का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मलाड शाखा में एक खाता है।

प्रिंसिपल स्मिता मालवड़े ने नवंबर 2022 में कार्यभार संभालने और खाता रिकॉर्ड की समीक्षा करने के बाद अनियमितताओं का पता लगाया। उन्होंने पाया कि 15 सितंबर, 2022 को उमंग स्पोर्ट्स अकादमी के नाम पर 1 लाख रुपये का चेक जारी किया गया था, जबकि स्कूल ने कोई उपकरण नहीं खरीदा था और न ही अकादमी से कोई संबंध था। 23 मार्च, 2023 को चेतन अहीर के नाम पर 5,400 रुपये का एक और चेक जारी किया गया था, जिसका कोई रिकॉर्ड नहीं है।

एसआरए ने डेवलपर्स से एकत्रित कॉर्पस फंड में भारी वृद्धि का प्रस्ताव रखा...

मुंबई: स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) ने स्लम पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत निर्मित प्रत्येक आवास के लिए डेवलपर्स से एकत्रित कॉर्पस फंड में भारी वृद्धि का प्रस्ताव रखा है। वर्तमान में प्रति आवास ₹40,000 निर्धारित योगदान, भवन की ऊँचाई के आधार पर ₹1 लाख से ₹3 लाख के बीच हो सकता है। चूँकि केवल राज्य सरकार ही एसआरए नियमों में संशोधन कर सकती है, इसलिए 22 सितंबर को जनता से

आपत्तियाँ और सुझाव आमंत्रित करते हुए एक अधिसूचना जारी की गई थी।

कॉर्पस फंड का उद्देश्य पुनर्विकसित भवनों के दस वर्षों तक रखरखाव को कवर करना है, इस दौरान झुग्गीवासी अपने आवंटित घरों में निःशुल्क रहते हैं। यह फंड अग्निशमन प्रणालियों और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों के लिए भी भुगतान करता है। वर्तमान में, डेवलपर्स एसआरए में प्रति आवास ₹40,000 जमा करते हैं। इस वर्ष जनवरी में, एसआरए के सीईओ ने आवास विभाग से मुंबई विकास योजना के तहत विनियमन को संशोधित करने का आग्रह किया, यह तर्क देते हुए कि ऊंचे पुनर्वास टावरों में पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए उच्च योगदान आवश्यक है।

आईटी कंपनी के कॉमन वॉशरूम में महिला कर्मचारी की आपत्तिजनक तस्वीरें लेने के आरोप में सफाई कर्मचारी गिरफ्तार...

मुंबई : माहिम पुलिस ने एक 22 वर्षीय हाउसकीपिंग कर्मचारी को माहिम स्थित एक निजी आईटी कंपनी के कॉमन वॉशरूम में एक महिला कर्मचारी की आपत्तिजनक तस्वीरें लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अभिषेक सुनील शर्मा नाम के आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 24 वर्षीय पीड़िता, जो पेशे से वेब डेवलपर है और माहिम स्थित एक निजी आईटी फर्म में काम करती है। 30 सितंबर की सुबह लगभग 10:30 बजे, वह हमेशा की तरह अपने कार्यस्थल पर पहुँची। कुछ देर बाद, वह कंपनी के कॉमन वॉशरूम का इस्तेमाल करने गई,

जहाँ उसने मोबाइल फोन के कैमरे की क्लिक की आवाज सुनी।

कुछ गड़बड़ होने का आभास होने पर, वह तुरंत बाहर आई और शोर मचाया। बाहर निकलते ही उसने कंपनी के सफाई कर्मचारी अभिषेक शर्मा को घटनास्थल से भागते हुए देखा। उसने सुरक्षाकर्मियों को सूचित किया, जिन्होंने शर्मा को भी भागते हुए देखने की पुष्टि की। बाद में महिला ने अपनी एक सहकर्मी को घटना के बारे में बताया, जिसके बाद कर्मचारियों ने शर्मा का सामना किया। पूछताछ करने पर, शर्मा ने अपने मोबाइल फोन से शौचालय में प्रवेश करने वाली महिलाओं की चुपके से तस्वीरें लेने की बात कबूल की। जब कंपनी के एक कर्मचारी ने उसके फोन की जाँच की, तो डिवाइस की डिलीट की गई फाइलों से शिकायतकर्ता की आपत्तिजनक स्थिति में हटाई गई तस्वीरें बरामद हुईं।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

मुनाफे के मुकाबले मजदूरों की आय पीछे...

धीमी वेतन वृद्धि आर्थिक वृद्धि और समानता के लिए कठिन चुनौतियां उत्पन्न कर सकती है। हाल में जारी वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (2023-24) इस चिंता को रेखांकित करता है। इस सर्वेक्षण के अनुसार प्रति फैक्टरी लाभ 7 फीसदी बढ़ा है जबकि प्रति कर्मचारी वेतन केवल 5.5 फीसदी बढ़ा है। पिछले कई वर्षों में फैक्टरियों का मुनाफा कर्मचारियों के वेतन की तुलना में काफी तेजी से बढ़ रहा है। 2024-25 की आर्थिक समीक्षा में भी कमजोर वेतन वृद्धि का जिक्र है, दूसरी तरफ 2023-24 में कंपनियों का मुनाफा 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया। आंकड़ों से पता चलता है कि श्रम उत्पादकता लाभ भी कमजोर हो गया है जिसमें प्रति कर्मचारी उत्पादन में पूर्व के वर्षों की तुलना में 2013-14 के बाद कमजोरी देखी गई है। वहीं, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में औपचारिक विनिर्माण की हिस्सेदारी 2010-11 से लगभग आधी हो गई है जिससे स्थिर, उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियों तक पहुंच सीमित हो गई है। धीमी उत्पादकता और सिमटते औपचारिक क्षेत्र के कारण वेतन वृद्धि काफी हद तक प्रभावित हुई है जिससे श्रमिक आय और घरेलू मांग दोनों कमजोर हुई हैं।

हालांकि, यह असमानता केवल भारत तक ही सीमित नहीं है। विश्व स्तर पर भी वेतन और लाभ के बीच संतुलन का झुकाव पूंजी की ओर हो गया है। तेजी से हो रहे तकनीकी बदलाव से यह विभाजन और गहरा सकता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की विश्व रोजगार एवं सामाजिक परिदृश्य, 2025 में आगाह किया गया है कि लगभग एक-चौथाई श्रमिकों की भूमिका जेनेरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस यानी जेनएआई टेक्नॉलजी द्वारा काफी हद तक बदल सकती है। यह तर्क दिया जा रहा है कि अब कार्यबल का हिस्सा बनने वाले युवाओं को महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि शुरूआती स्तर की नौकरियों में स्वचालन के बढ़ते इस्तेमाल से कौशल-विकास और धन संचय सीमित हो जाते हैं जिससे वेतन वृद्धि रुक जाती है और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में धन का अंतर बढ़ जाता है। भारत में श्रम संरक्षण मजबूत करने के पीछे उद्देश्य श्रमिकों की स्थितियों में सुधार करना रहा है। हालांकि, अत्यधिक सख्त कानूनों के कभी-कभी अनचाहे परिणाम सामने आए हैं।

Rokthok Lekhani News Update
WhatsApp group

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

मुंबई : धार्मिक नारों वाले स्टिकरों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है

दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल..

मुंबई : कुर्ला इलाके में धार्मिक नारों वाले स्टिकरों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में कुछ लोग जबरन वाहनों पर ‘I Love Muhmmd’ लिखे स्टिकर चिपकाते दिखे। वीडियो सामने आने के बाद से ही इलाके में तनाव बढ़ गया है। इसमें साफ दिख रहा है कि कुछ युवक सड़कों पर वाहनों को रोककर मालिक की अनुमति लिए बिना उन पर स्टिकर चिपका रहे हैं। अब तक इस मामले में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह घटनाक्रम देखते ही देखते साम्प्रदायिक रंग लेने लगा। इसके जवाब में हिंदू संगठनों ने पूरे मुंबई में समानांतर अभियान की घोषणा की है। उन्होंने ‘क छ्ङ्ग्५ी टँाी५’ नाम से कार्यक्रम शुरू करने की बात कही है।

कानपुर में कईयों पर दर्ज हुए थे केस

संगठनों से जुड़े नेताओं का कहना है कि मुस्लिम समुदाय की ओर से चलाए जा रहे इस अभियान का मकसद माहौल बिगाड़ना है, इसलिए वे इसका शांतिपूर्ण जवाब देंगे। इस संबंध में 24 सितंबर को आरे मिल्क कॉलोनी में एक बैठक भी आयोजित की गई। मामला केवल मुंबई तक सीमित नहीं है। यह विवाद कानपुर से जुड़ा हुआ है, जहां पुलिस ने इसी तरह के ‘I Love Muhmmd’ बैनर सार्वजनिक जगहों पर लगाने पर मुकदमे दर्ज किए थे। पुलिस का तर्क था कि ऐसे बैनर अन्य समुदायों की भावनाओं को आहत कर सकते हैं। कानपुर की घटना के बाद मुंबई में भी मस्जिदों और सड़कों के बाहर मुस्लिम समूहों ने बैनर लगाकर धार्मिक अभिव्यक्ति का प्रदर्शन किया।

बजरंग दल ने इस अभियान पर कड़ा ऐतराज जताया

हिंदूवादी संगठनों, खासकर बजरंग दल ने इस अभियान पर कड़ा ऐतराज जताया है। बजरंग दल के कोंकण प्रांत सह-संयोजक गौतम रवारिया ने कहा कि हमें बैनरों से आपत्ति नहीं है, लेकिन इनके पीछे की नीयत संदिग्ध लगती है। कश्मीर में इसी तरह के बैनर लेकर लोगों ने पुलिसकर्मियों का पीछा किया था, जो बेहद खतरनाक संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि उनका ‘I Love Mhdev’ अभियान अन्य राज्यों तक भी फैल सकता है। दूसरी ओर, मुस्लिम संगठनों ने पुलिस की कार्रवाई को भेदभावपूर्ण बताया है। मुंबई स्थित रजा अकादमी ने 24 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश में दर्ज मामलों की निंदा की। संगठन ने आरोप लगाया कि पुलिस राजनीतिक दबाव में काम कर रही है।

मुंबई : मुरबे बहु-कार्गो बंदरगाह परियोजना पर 6 अक्टूबर को होने वाली जन सुनवाई को स्थगित करने की माँग

मुंबई : मछुआरा समुदाय ने पालघर ज़िले में मुरबे बहु-कार्गो बंदरगाह परियोजना पर 6 अक्टूबर को होने वाली जन सुनवाई को ‘पूर्ण और पारदर्शी’ पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) तैयार होने तक रद्द या स्थगित करने की माँग की है। अखिल महाराष्ट्र मच्छीमार कृति समिति ने कहा कि इस परियोजना को झूठ, चूक और कानून के उल्लंघन से भरी एक मसौदा ईआईए रिपोर्ट के आधार पर बढ़ावा दिया जा रहा है। अखिल महाराष्ट्र मच्छीमार कृति समिति के अध्यक्ष देवेंद्र टंडेल ने दावा किया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी संदर्भ शर्तों (टीओआर) के 20 उल्लंघनों के बावजूद, पालघर के कलेक्टर ने जन सुनवाई आयोजित की है, जो अवैध और जनता को गुमराह करने वाला है।

टंडेल ने कहा कि ईआईए रिपोर्ट मैंग्रोव, मडफ्लैट्स और पारंपरिक मछली पकड़ने के मैदानों के अस्तित्व को छुपाती है जो सीआरजेड अधिसूचना 2019 के तहत संरक्षित हैं। कानून द्वारा आवश्यक अध्ययन, जैसे चक्रवात प्रभाव मॉडलिंग, मत्स्य आजीविका सर्वेक्षण और विस्तृत यातायात और जोखिम विश्लेषण, या तो आयोजित नहीं किए गए हैं या सतही और अवैज्ञानिक तरीके से किए गए हैं, टंडेल ने कहा। मछुआरों ने कहा कि बंदरगाह स्थल के छह किलोमीटर के भीतर तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन की उपस्थिति का उल्लेख ईआईए में नहीं है। रिपोर्ट ने खाड़ियों, मैंग्रोव और तटीय जल पर बंदरगाह के संभावित प्रभाव का आकलन नहीं किया है जो मछुआरों के लिए आजीविका का एक स्रोत हैं, टंडेल ने कहा, बॉम्बे उच्च न्यायालय (बीईएजी बनाम महाराष्ट्र राज्य, 2005) और एनजीटी के आदेशों के उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है

मुंबई : युवा बेरोजगारी से परेशान हैं, महिलाएं असुरक्षा से त्रस्त हैं और आम जनता बढ़ती महंगाई के बोझ तले दबी हुई है – विधायक भाई जगताप

मुंबई : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक भाई जगताप ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं सभी देशवासियों और विशेषकर महाराष्ट्र के लोगों को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। हम इस त्योहार को दशहरा के रूप में मनाते हैं, जिसका संदेश हमेशा से यही रहा है कि असत्य पर सत्य की विजय होती है। लेकिन, आज के समय में अपने देश के हालात पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि देश बहुत परेशान है। हमारे युवा बेरोजगारी से परेशान हैं, महिलाएं असुरक्षा से त्रस्त हैं और आम जनता बढ़ती महंगाई के बोझ तले दबी हुई है।

भाई जगताप ने केंद्र सरकार पर कहा कि पिछले 11 वर्षों से देश की स्थिति बदहाल है और इसके लिए मौजूदा सरकार जिम्मेदार है। 2014 के बाद से देश गलत दिशा में जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम में आरएसएस और वीर सावरकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं के योगदान को शामिल करने की बात कही है। भाई जगताप ने इस फैसले पर विरोध जताते हुए कहा, ‘‘आरएसएस ने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों की मदद की और मुखबिरी का काम किया। ये लोग देशभक्ति की बात कैसे कर सकते हैं? वीर सावरकर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वतंत्रता संग्राम का विरोध किया। अगर इनका इतिहास बच्चों को पढ़ाया गया, तो देश में बड़ा आंदोलन होगा।’’ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत से ट्रॉफी लेने की बात कही है। जिस पर जगताप ने कहा, ‘‘भारत ने ट्रॉफी जीती है, खिलाड़ियों को राजनीति में न घसीटा जाए। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के बयान पर टिप्पणी करते हुए जगताप ने कहा कि इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह दबाव में दिया गया बयान हो सकता है।

महाराष्ट्र : मुंबई के ज्वेलरी शोरूम पर बड़ी कार्रवाई... बीआईएस उल्लंघन

मुंबई : ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) ने गोल्ड ज्वेलरी और गोल्ड आर्टिफैक्ट्स हॉलमार्किंग ऑर्डर, 2020 के गंभीर उल्लंघन के मामले में मुंबई के एक ज्वेलरी शोरूम पर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई मुंबई के सोनापुर स्थित एक ज्वेलरी आउटलेट पर बीआईएस के मुंबई ब्रांच ऑफिस के अधिकारियों की टीम ने की। छापेमारी के दौरान, अधिकारियों ने पाया कि ज्वेलरी शोरूम बीआईएस हॉलमार्क के बिना ही सोने की ज्वेलरी बेच रहा था। यह हॉलमार्किंग नियमों का सीधा उल्लंघन है। इस छापेमारी में लगभग 47 ग्राम बिना हॉलमार्क वाला सोना जब्त किया

गया।

बीआईएस के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्य बीआईएस एक्ट 2016 के सेक्शन 15(3) और 17(1)(ए) के तहत एक गंभीर अपराध है। इस उल्लंघन के लिए दोषी पाए जाने पर 2 साल तक की जेल या कम से कम दो लाख का जुमार्ना, या दोनों हो सकते हैं। बीआईएस ने इस अपराध के लिए कोर्ट में केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बीआईएस एक्ट 2016 स्पष्ट रूप से कहता है कि कोई भी व्यक्ति गोल्ड ज्वेलरी और गोल्ड आर्टिफैक्ट्स हॉलमार्किंग ऑर्डर 2020 के तहत अनिवार्य सामान का निर्माण, आयात, वितरण, बिक्री या प्रदर्शन बिना बीआईएस हॉलमार्क के नहीं कर सकता है। बीआईएस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी खरीदारी करते समय जागरूक रहें। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे केवल आईएसआई मार्क या हॉलमार्क की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के बाद ही खरीदारी करें। इसके लिए वे बीआईएस की आधिकारिक वेबसाइट और बीआईएस केयर ऐप का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बीआईएस ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि उन्हें बीआईएस सर्टिफिकेशन के बिना अनिवार्य उत्पादों की बिक्री या आईएसआई मार्क/हॉलमार्क के गलत इस्तेमाल की कोई जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत इसकी शिकायत बीआईएस के वेस्टर्न रीजनल ऑफिस, पवई, मुंबई को दे सकते हैं।

पालघर : एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज 27 मामलों में जब्त ₹29.76 करोड़ मूल्य के नशीले पदार्थों को किया नष्ट

पालघर : मीरा-भयंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय (एमबीवीवी) ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज 27 मामलों में जब्त किए गए लगभग ₹29.76 करोड़ मूल्य के नशीले पदार्थों को नष्ट कर दिया है। महाराष्ट्र के विशेष महानिरीक्षक, मादक द्रव्य निरोधक कार्य बल के निदेशों पर कार्रवाई करते हुए, जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थों के निपटान के लिए 16 सितंबर से 30 सितंबर के बीच राज्यव्यापी अभियान चलाया गया। मादक द्रव्य निपटान समिति की देखरेख में, पुलिस ने पनवेल के तलोजा में मुंबई अपशिष्ट प्रबंधन लिमिटेड के कारखाने में 240.420

किलोग्राम नशीले पदार्थों का भस्मीकरण किया।

प्रतिबंधित पदार्थों में गांजा, चरस, मेफेड्रोन, हेरोइन, एफेड्रिन, कोकीन, कफ सिरप की बोतलें और अल्प्राजोलम व ट्रामाडोल जैसी गोलियां शामिल थीं। अधिकारियों ने कहा कि जब्त किए गए नशीले पदार्थों का कानून के अनुसार उचित निपटान सुनिश्चित करने और ऐसे पदार्थों के दुरुपयोग के जोखिम को रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई।

मुंबई : भाजपा लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है

किसानों के आंदोलन को शहरी नक्सलवाद कहा जा रहा है - सांसद वर्षा गायकवाड़

मुंबई : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ के नेतृत्व में महाविकास आघाड़ी ने जन सुरक्षा विधेयक के विरोध में दक्षिण मुंबई के फोर्ट इलाके में भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर से महात्मा गांधी की प्रतिमा तक शांति मार्च निकाला। इस दौरान वर्षा गायकवाड़ ने प्रदेश और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। वर्षा गायकवाड़ ने महाराष्ट्र सरकार पर लोकतंत्र को दबाने और संविधान को ताक पर रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पत्रकार सवाल पूछ सकते हैं, लेखक और वैज्ञानिक अपनी राय रख सकते हैं और आमजन अपनी बात रख सकते हैं, लेकिन भाजपा लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। भाजपा सांसदों द्वारा किसानों के आंदोलन को शहरी नक्सलवाद कहा जा रहा है,

जो गलत है।

उन्होंने किसानों की स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि महाराष्ट्र के किसान आज कठिन हालात से गुजर रहे हैं, जिनमें कई ने अपने परिवार और रोजगार खो दिए हैं। ऐसे समय में सरकार को किसानों और मजदूरों के साथ खड़ा होना चाहिए, लेकिन उनके विरोध को नक्सलवाद के रूप में पेश किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब नक्सलवाद और आतंकवाद के खिलाफ पहले से ही पर्याप्त कानून मौजूद हैं, तो फिर नया जन सुरक्षा विधेयक क्यों लाया जा रहा है? वहीं, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में आरएसएस से संबंधित पाठ पढ़ाए जाने पर कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि राजनीति और शिक्षा दो अलग-अलग क्षेत्र हैं। राजनीति अपनी जगह पर होनी चाहिए। शिक्षा में राजनीति लाना गलत है। दुर्भाग्य से, हम देख रहे हैं कि इतिहास को बदला जा रहा है, जो कि सरासर गलत है। बच्चों तक सच्चाई पहुंचनी चाहिए और उन्हें यह पता होना चाहिए कि इस देश का असली इतिहास क्या है।

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, ''पहलगाम में 26 परिवारों ने अपने पिता, बेटे और पति खो दिए। हम भी चाहते थे कि देश इसका बदला ले। हम यह भी चाहते थे कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत पीओके पर कब्जा करे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।'

मुंबई : म्हाडा की तर्ज पर मनपा भी अब निकालेगी घरों की लॉटरी...

दीपावली बाद 586 घरों की होगी लॉटरी

मुंबई : मनपा प्रशासन को बिल्डरों के द्वारा मिले 586 घरों की लॉटरी दीपावली के बाद हो सकती है। मनपा पहली बार लॉटरी के मार्फत लोगों को घर उपलब्ध कराएगी। म्हाडा के बाद मनपा लॉटरी के द्वारा घर उपलब्ध कराने वाली संस्था होगी। बिल्डरों के द्वारा मनपा को 800 घर मिले हैं। बता दें कि मनपा को विकास नियंत्रण नियमावली 15 के तहत 4 हजार वर्ग फुट से बड़े भूखंडों का विकास करने पर डेवलपर को 80 प्रतिशत फ्लैट बेचने के अधिकार हैं जबकि 20 प्रतिशत मकान मनपा को मुफ्त में देना होता है। इस नियम के आधार पर प्राप्त इन 800 घरों में से 586 घरों की लॉटरी दिवाली पर निकाली जाएगी, जबकि बाकी 214 घर प्रोजेक्ट प्रभावितों (पीएपी) के लिए सुरक्षित रखे जाएंगे। इस तरह की जानकारी मनपा अधिकारियों ने

दी। मनपा अधिकारियों ने जानकारी दी, कि लॉटरी के लिए चुने गए 586 घरों में से 186 मकानों की मनपा आयुक्त से मंजूरी मिल चुकी है और बाकी मकानों को भी अगले एक सप्ताह में मंजूरी मिलने की संभावना है। मंजूरी पूरी होते ही लॉटरी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इन मकानों को कम आय वर्ग के नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर दिया जाएगा।

मुंबई में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं के कारण कई लोगों के घर प्रभावित होते हैं और पात्र लोगों के पुनर्वसन की जिम्मेदारी मनपा पर होती है। इस समय मनपा के पास पीएपी के लिए पर्याप्त मकान उपलब्ध नहीं हैं इसलिए 800 में से 214 घर प्रोजेक्ट प्रभावितों के लिए आरक्षित रखे जा रहे हैं। मनपा को परियोजना प्रभावितों के लिए लगभग 36 हजार घरों की जरूरत है।

मुंबई: वीजा की अवधि समाप्त; पवई पुलिस ने अवैध रूप से रह रही 9 विदेशी महिलाओं को हिरासत में लिया

मुंबई: पवई पुलिस ने अवैध रूप से रह रही 9 विदेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है। ये सभी महिलाएं युगांडा और केन्या की नागरिक हैं, जिनके वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी थी। पुलिस ने इन्हें पवई इलाके में की गई एक विशेष छापेमारी के दौरान पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, पवई क्षेत्र में लंबे समय से नाइजीरियाई और अन्य विदेशी नागरिकों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर 1 अक्टूबर को होटल ड्रीम इन प्राइम (एकेडमी स्कूल, मरोल के पास) पर छापेमारी की गई, जहां ये महिलाएं ठहरी हुई थीं। जांच में सामने आया कि सभी के वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी थी, इसके बावजूद वे मुंबई में रह रही थीं।

गिरफ्तार की गई महिलाओं की पहचान नामुंगे ग्लोरिया (22), नाबीसुबी एस्थर (20), कुरिया सुसान वाम्बुयी (33), एनजेरी बेथ (28), बेरे सेलेस्टाइन (28), मिवाडे मिरे सोविन्या (24), न्गुकु जॉयस वानजिरु (33), नुगेरा सारा चाजिको (28) और मेसडिंच नेली चेपकोरोरिया

(27) के रूप में हुई। इन महिलाओं को महिला पुलिस इकाई ने हिरासत में लिया और अब उनके खिलाफ डिपोर्टेशन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ये महिलाएं अपनी पहचान छिपाकर शहर में रह रही थीं।

इसके अलावा, पवई पुलिस ने उस होटल प्रबंधक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है, जिसने बिना वैध दस्तावेजों की जांच किए इन विदेशी नागरिकों को ठहराया था। मुंबई पुलिस ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इससे पहले, दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम जिला की ऑपरेशन सेल की टीम ने 29 सितंबर को दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी पिछले दो वर्षों से बिना वैध वीजा और दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद एफआरआरओ (फरेनर्स रिजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस) दिल्ली की मदद से दोनों के खिलाफ डिपोर्टेशन प्रक्रिया शुरू की गई।

6 लाख रुपये मूल्य की 120 ग्राम मेफेड्रोन रखने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई : पवई पुलिस ने एक व्यक्ति को 6 लाख रुपये मूल्य की 120 ग्राम मेफेड्रोन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 2 अक्टूबर को सुबह 2:10 बजे पवई के पिकनिक होटल के पास से हुई। पुलिस ने उसकी पहचान उजागर नहीं की है। पुलिस के अनुसार, गश्त के दौरान उन्हें एक संदिग्ध हाव-भाव वाले व्यक्ति का पता चला। जब उन्होंने उसे रोका और तलाशी ली, तो उसके पास मेफेड्रोन मिला, जिसे वह कथित तौर पर बेचने वाला था। जाँच में यह भी पता चला कि वह पवई इलाके में ग्राहकों को यह दवा सप्लाई करता था। पुलिस ने प्रतिबंधित सामग्री जब्त कर ली और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई : पुलिस कांस्टेबल ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार... ₹94,103 की ठगी!

मुंबई : बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) पुलिस स्टेशन में तैनात एक पुलिस कांस्टेबल ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गया है। साइबर जालसाजों ने उसके बैंक खाते से ₹94,103 की ठगी कर ली। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन (1930) पर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता की पहचान सचिन चव्हाण (52) के रूप में हुई है, जो बीकेसी पुलिस स्टेशन में तैनात हैं और भांडुप (पश्चिम) में रहते हैं। घटना 1 सितंबर, 2025 को शाम करीब 7:46 बजे हुई, जब चव्हाण बीकेसी में एशियन हार्ट बस स्टॉप के पास थे। शिकायत के अनुसार, चव्हाण को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को अस्पताल का कर्मचारी बताया और दावा किया कि उसने गलती से ₹30,000 अस्पताल में जमा करने के बजाय चव्हाण के बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए हैं। जालसाज ने चव्हाण से अपने मैसेज चेक करने को कहा, जहाँ उन्हें ₹30,000 जमा होने का मैसेज मिला। दावे पर यकीन करके, धोखेबाज ने चव्हाण से पैसे का एक हिस्सा वापस करने का अनुरोध किया। निर्देशों का पालन करते हुए, चव्हाण ने एक भुगतान ऐप के माध्यम से ₹5,000 दूसरे बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिए और लेन-देन का स्क्रीनशॉट भी साझा किया।

बाद में, धोखेबाज ने चव्हाण को एक फर्जी ''पैसे प्राप्त करें'' संदेश भेजकर और भी धोखा दिया और उसे संदेश पर डबल-टैप करके अपना पाँच अंकों का पिन डालने को कहा ताकि धनवापसी स्वीकार की जा सके। जैसे ही चव्हाण ने पिन डाला, उसके बैंक खाते से ₹77,091 डेबिट हो गए। जब चव्हाण ने इस बारे में पूछताछ की, तो कॉलर ने फिर से ऐसा ही संदेश भेजा और उसे प्रक्रिया दोहराने के लिए उकसाया, जिससे ₹12,012 और निकल गए। दूसरी बार पैसे कटने के बाद ही चव्हाण को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। उन्होंने तुरंत साइबर हेल्पलाइन (1930) को मामले की सूचना दी। सत्यापन करने पर पता चला कि उनके खाते में ₹30,000 कभी जमा ही नहीं हुए थे।

मुंबईः श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर को दान किए गए स्वर्ण आभूषणों की नीलामी में 1.15 करोड़ रुपये प्राप्त हुए

मुंबईः श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर, प्रभादेवी में भगवान गणेश को दान किए गए स्वर्ण आभूषणों की नीलामी में 1.15 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। दशहरे पर श्रद्धालुओं द्वारा खरीदी गई वस्तुओं में श्री गणेश की मूर्तियाँ, लॉकेट, मोदक (एक मिठाई) की प्रतिकृतियाँ, अंगूठियाँ, सोने की चेन, हार और अन्य आभूषण शामिल थे। मंदिर में भगवान गणेश की छवियों वाले चाँदी के सिक्के भी बेचे गए। मंदिर ट्रस्ट के उप-कार्यकारी अधिकारी डॉ. संदीप राठौड़ ने कहा कि सोने की बढ़ती कीमतों के कारण नीलामी के लिए उपलब्ध सभी वस्तुएँ नहीं बिक पाईं।

राठौड़ ने कहा, ''सोने की कीमतों ने बिक्री को कुछ हद तक प्रभावित किया। लेकिन ऐसा हमेशा होता है। कुछ वस्तुएँ हमेशा बिना बिकी रह जाती हैं।'' नीलामी में पेश किए गए आभूषणों को नीलामी के दिन मंदिर परिसर में प्रदर्शित किया गया था। गुड़ी पड़वा के शुभ दिन से पहले 30 मार्च को सोने के आभूषणों और चाँदी के सिक्कों की पिछली नीलामी में 1.33 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे।

मुंबई : राशन दुकानदारों के लाइसेंस रद्द

अनाज वितरण में अनियमितताओं की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए, आपूर्ति विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू

मुंबईः अनाज वितरण में अनियमितताओं की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए, आपूर्ति विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। ऐसी गड़बड़ियों को रोकने के लिए, कुछ राशन दुकानदारों के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं, जबकि अन्य की जमानत राशि जब्त कर ली गई है। विभागीय जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पिछले नौ महीनों में की गई है। अनाज वितरण में अनियमितताएँ और गड़बड़ियाँ हाल ही में जन-चिंतन का विषय बन गई हैं। कई शिकायतें सामने आई हैं कि जरूरतमंद लाभार्थियों को उनका हक का अनाज समय पर और पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा है।

इन्हें ध्यान में रखते हुए, आपूर्ति विभाग ने गड़बड़ी के दोषी पाए गए आठ राशन दुकानदारों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। इसके अलावा, जिन 97 दुकानदारों के खिलाफ मामूली शिकायतें मिली थीं, उनकी जमानत राशि जब्त कर ली गई है। हालाँकि यह कार्रवाई अभी बहुत गंभीर नहीं है, फिर भी जिला आपूर्ति अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसी शिकायतें जारी रहीं, तो और सख्त कदम उठाए जाएँगे।

मुंबई : मातृभाषा मराठी और मराठी लोगों के अधिकारों पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे - उद्धव ठाकरे

मुंबई : मुंबई के शिवाजी पार्क में दशहरा रैली के दौरान शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे ने बयान देते हुए कहा है कि वे अपनी मातृभाषा मराठी और मराठी लोगों के अधिकारों पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे. ठाकरे ने साफ किया कि जहाँ भी उनकी मातृभाषा का अपमान हुआ है, वहाँ वे मराठी लोगों के बीच फूट नहीं आने देंगे.

'हिंदी के खिलाफ नहीं, लेकिन जबरदस्ती नहीं चलेगी'

उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारा हिंदी के खिलाफ कोई विरोध नहीं है, लेकिन हिंदी की जबरदस्ती हम कतई स्वीकार नहीं करेंगे. मराठी के सम्मान और अधिकार की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है. उन्होंने यह भी बताया कि मुंबई की पहचान सिर्फ व्यापारियों की जेबों में समा जाए, तो वे उसे बचाने के लिए हर संभव कदम उठाएँगे. ठाकरे ने कहा, ''मुंबई मराठी लोगों ने अपने खून से जीती है. भाषा के आधार पर प्रदेश बनते गए, गुजरात वालों को गुजरात मिला. वैसा ही मराठी भाषियों को महाराष्ट्र मिला. अगर हमारी मुंबई व्यापारीयों की जेब में चली गई तो हम उस जेब को फाड़कर ही मुंबई बचाएँगे.

'मराठी पर कोई हाथ नहीं डाल सकता'

उन्होंने और कहा ''अगर तुम लोगों में हिम्मत है तो मराठी पर हाथ डालकर दिखाओ. हाथ जगह पर रखा नहीं जाएगा'' यह एक सुस्पष्ट इशारा भी उद्धव ठाकरे ने दिया. उद्धव ठाकरे ने चेतावनी भी दी कि अगर तुम लोगों में हिम्मत है तो मराठी पर हाथ डालकर दिखाओ, लेकिन ऐसा करने पर उसे कोई जगह नहीं मिलेगी. हाथ जगह पर रखा नहीं जाएगा. हम मराठी पर कोई समझौता नहीं करेंगे. उनका यह कड़ा रुख दशार्ता है कि वे मराठी भाषा और संस्कृति के मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं करेंगे. शिवसेना ठाकरे गुट की दशहरा रैली में राज्यसभा सांसद संजय राउत भी मौजूद थे.

मुंबईः जौहरी से 5.41 लाख रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गायक गिरफ्तार

मुंबईः मलाड पुलिस ने 37 वर्षीय गायक विपुल छेड़ा को एक जौहरी से 5.41 लाख रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक महीने से फरार विपुल को 25 सितंबर को पकड़ा गया। धर्मा एसोसिएट्स चलाने वाले गायक ने मार्केटिंग असिस्टेंट रीमा छेड़ा के जरिए बोरीवली पश्चिम स्थित साईसिद्धि ज्वैलर्स से एक हीरे का ब्रेसलेट खरीदा था। रीमा छेड़ा ग्राहकों को रेफर करके कमीशन कमाती हैं। 22 अप्रैल को विपुल ने रीमा से ब्रेसलेट मलाड के बाटा शोरूम के पास लाने को कहा। उन्होंने एक ब्रेसलेट खरीदा और एक चेक दिया, जो बाउंस हो गया। उन्होंने न तो भुगतान किया और न ही ब्रेसलेट वापस किया।

पुणेः एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर की ड्रग रिपोर्ट नेगेटिव

पुणेः एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर को खराड़ी में एक ड्रग पार्टी में शामिल पाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। हालाँकि, हाल ही में पुलिस को इस मामले में आरोपी के ड्रग सेवन की फोरेंसिक रिपोर्ट मिली है। सूत्रों ने बताया कि प्रांजल खेवलकर की ड्रग रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जुलाई के अंत में, क्राइम ब्रांच की एक टीम ने आधी रात को खराड़ी स्थित एक होटल के कमरे में चल रही एक पार्टी पर छापा मारा और कार्रवाई की। पता चला कि पार्टी में ड्रग्स, शराब और हुक्का का

सेवन किया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में दो युवतियों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

इनके पास से 2 ग्राम 70 मिलीग्राम कोकीन जैसा पदार्थ, 70 ग्राम मारिजुआना जैसा पदार्थ, हुक्का कंटेनर, 10 मोबाइल फोन, सुगंधित तंबाकू, दो कारें और शराब की बोतलें जब्त की गईं। हालाँकि, प्रांजल खेवलकर के खून में ड्रग्स नहीं पाए जाने के कारण अब मामले ने एक नया मोड़ ले लिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रांजल खेवलकर और अन्य आरोपियों ने ड्रग्स का सेवन नहीं किया था।

संपर्क कार्यालय : रोहिरा हाउस फ्लैट नो 8 दूसरा माला पाकीजा बेकरी के सामने कैडल रोड माहिम पश्चिम मुंबई ४०००१६
मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com